

क्रमांक 79-ज(I)-77/5604.—श्री कृपा राम, पुत्र श्री खारू, गांव कल्याणा, तहसील दादरी, जिला भिवानी, की मुब्जिल 100 रुपये वार्षिक की जमी जागीर जो उसे पंजाब सरकार के राजस्व विभाग की युद्ध जागीर अधिसूचना क्रमांक 16892-जे. एन. (iii)-66/20236, दिनांक 29 सितम्बर, 1966 द्वारा मन्जूर की गई थी, रबी, 1967 से सम्मुख की जाती है।

क्रमांक 148-ज(I)-77/5608.—श्री वीरवज्र राम, पुत्र श्री भोम राम, गांव धनासरी, तहसील दादरी, जिला भिवानी, को दिनांक 27 अक्तूबर, 1974 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, 'हरियाणा' के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए महर्ष आदेश देते हैं कि श्री वीरवज्र राम को मुब्जिल 150 रुपये वार्षिक की जागीर, जो उसे 'हरियाणा' सरकार की अधिसूचना क्रमांक 312-आर-(IV)-66/1274, दिनांक 29 अप्रैल, 1967 तथा अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505 दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा मन्जूर की गई थी, अब उस की विधवा श्रीमती बहनावरी के नाम रबी, 1975 से 150 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील की जाती है।

दिनांक 3 मार्च, 1977

क्रमांक 179-ज(II)-77/5694.—पूर्वी पंजाब युद्ध जागीर अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है), की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री चन्दगी राम, पुत्र श्री धर्मा, गांव इसराना, तहसील पानीपत, जिला करनाल, को रबी, 1973 से 150 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 144-ज (II)-77/5698.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उस में आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2 (ए) (1ए) तथा 3 (1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री सूवे सिंह, पुत्र श्री राम सूरूप, गांव भवाना, तहसील 'ब' जिला सोनीपत, को रबी, 1969 से रबी, 1970 तक 100 रुपये वार्षिक तथा खरीफ, 1970 से 150 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

दिनांक 8 मार्च, 1977

क्रमांक 2495-ज(I)-76/6126.—श्री देवकरण, पुत्र श्री ठगू राम, गांव गोठडा ठप्पा खोरी, तहसील रिवाड़ी, जिला महेन्द्रगढ़ की दिनांक 11 अप्रैल, 1976 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2 (ए) (1ए) तथा 3 (1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों को प्रयोग करते हुए सहर्ष आदेश देते हैं कि श्री देवकरण को मुब्जिल 150 रु० वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 465-र(III)-68/8560, दिनांक 22 अप्रैल, 1959 तथा अधिसूचना क्रमांक 5041-आर.III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा मन्जूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती मखली देवी के नाम खरीफ, 1976 से 150 रु० वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील की जाती है।

यशवन्त कुमार जैन

विशेष कार्य अधिकारी, हरियाणा सरकार,  
राजस्व विभाग।

#### DEVELOPMENT AND PANCHAYAT DEPARTMENT

The 4th March, 1977

No. 852-2-ECD-I-77/1638.—The Governor of Haryana is pleased to retire Shri Gurdial Singh Suri, Substantive Block Development and Panchayat Officer, Officiating Additional General Assistant, Rohtak from Government Service with effect from 31st December, 1976 (afternoon) on attaining the age of superannuation.